आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 10.06.2025 समय : 0705

<><><><><><><>

- पिछले एक दशक में भारत ने पर्यावरण संरक्षण और विकास पर ध्यान केंद्रित कर अपनाया एक विकास मॉडल।
- केंद्र सरकार के ग्यारह साल के पूरे होने पर प्रतियोगिता की एक विशेष श्रृंखला का आयोजन।
- द्वीपसमूह के किसानों ने गुवाहाटी में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- इस महीने के लिए एम वी स्वराजद्वीप और एम वी कैम्पबेल बे का संभावित यात्रा कार्यक्रम जारी।

<><><><><><><>

पिछले एक दशक में भारत ने पर्यावरण संरक्षण और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विकास मॉडल अपनाया है, जो पर्यावरण संरक्षण को समावेशी विकास के साथ एकीकृत करता है। नदियों को पुनर्जीवित करने से लेकर पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने और हरित बुनियादी ढांचे के निर्माण तक, देश ने संरक्षण के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। नमामि गंगे मिशन दुनिया के सबसे बड़े नदी कायाकल्प कार्यक्रमों में से एक है। इसने जल की गुणवत्ता में सुधार किया है, जैव विविधता को बढ़ाया है और गंगा के पुनरुद्धार में स्थानीय भागीदारी को प्रोत्साहित किया है। इसके साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन और गोबरधन योजना ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बदल दिया है। "एक पेड़ माँ के नाम" जैसे अभियानों ने नागरिकों को पर्यावरणीय संरक्षण के लिए प्रेरित किया है, जो कार्बन अवशोषण और पारिस्थितिक बहाली में योगदान दे रहे हैं। भारत ने वन्यजीव संरक्षण में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रोजेक्ट चीता, प्रोजेक्ट लायन और विस्तारित प्रोजेक्ट टाइगर जैसी पहल आवास विकास और प्रजातियों की बहाली पर ध्यान केंद्रित करती हैं। भारत में बाघ की आबादी दुनिया की जंगली बाघ आबादी का पचहत्तर प्रतिशत से अधिक है। भारत में वर्तमान में इक्यानब्बे रामसर स्थल हैं, जो एशिया में सबसे अधिक है। तेरह भारतीय समुद्र तटों ने प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग प्रमाणन अर्जित किया है, जबकि अमृत धरोहर और मिष्टी जैसी योजनाएं आर्द्रभूमि और मैंग्रोव के संरक्षण को आगे बढ़ा रही हैं, जो जलवायु लचीलेपन के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत का हरित परिवर्तन एक नीतिगत पहल से कहीं अधिक है।

<><><><><><><>

भारत सरकार के नागरिक सहभागिता मंच माई जी ओ वी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के ग्यारह साल के समर्पित शासन के अवसर पर प्रतियोगिता की एक विशेष श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। पिछले एक दशक में भारत में उल्लेखनीय विकास और परिवर्तन हुआ है। बेहतर सड़कों और मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों से लेकर उन्नत सार्वजनिक सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा उपायों और विस्तारित डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, सभी क्षेत्रों में प्रगति हुई है। इस परिवर्तनकारी विकास यात्रा को यादगार बनाने और इसके विवरण को संरक्षित करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने माई जी ओ वी के सहयोग से देश के सभी नागरिकों को "बदलता भारत मेरा अनुभव – ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता" में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ब्लॉग गरीबों और वंचित लोगों की सेवा, किसान कल्याण, नारी शक्ति और भारत की अमृत–पीढ़ी को सशक्त बनाने जैसे विषयों पर एक हजार से डेढ़ हजार शब्दों में अंग्रेजी और हिंदी में लिखे जा सकते हैं। इसके अलावा, बदलता भारत मेरा अनुभव पर एक मिनी ब्लॉग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है जिसमें नागरिक अपने आसपास दिख रहे प्रभावशाली परिवर्तन पर दो मिनट का ब्लॉग दाखिल कर इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। भारत के बढ़ते कदम – एक जनभागीदारी– फोटो प्रतियोगिता में लोग ऐसी तस्वीरें साझा कर सकते हैं, जो राष्ट्र की प्रगति में

योगदान देने वाली किसी भी जनभागीदारी पहल में उनकी भागीदारी दिखाती हों। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अंतिम तिथि इस महीने की 20 तारीख है।

<><><><><><><><>

पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने पशु उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए पशुपालकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अंतर राज्यीय भ्रमण करने की व्यवस्था की है। शुरूआत में पच्चीस प्रगतिशील किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों के द्वारा शूकर पालन उन्नत प्रशिक्षण देने के लिए गुवाहाटी स्थित आई सी ए आर राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केन्द्र ले जाया गया। शूकर पालन के क्षेत्र में विकास और उन्नति की संभावनाओं का दोहन करने के लिए प्रगतिशील किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गए, जिसमें विशेषज्ञों ने कीपर प्रबंधन, रोग प्रबंधन, जैव सुरक्षा, कृत्रिम गर्भाधान, बाजार आधारित खेती, प्रजनन पोषण, अपशिष्ट निपटान और चारा प्रबंधन जैसे विषयों पर अपने विचार शूकर पालकों के साथ साझा किए। प्रगतिशील किसानों के इस समूह में निकोबार जिले के पिलोपांजा, मकाचुआ, छोलदारी, रंगत, बिल्लीग्राउंड और डिगलीपुर के किसान शामिल थे।

<><><><><><><><>

वर्तमान और भविष्य के अंतरिक्ष अनुसंधानों में सहयोग के उद्देश्य से वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए एक्सियोम स्पेस कंपनी के चौथे मिशन की रवानगी एक दिन के लिए स्थगित कर दी गयी है। खराब मौसम के कारण यह निर्णय लिया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बताया कि अब एक्सियोम–4 मिशन भारतीय समयानुसार कल शाम साढ़े पांच बजे केप कैनेवरल के कैनेडी स्पेस सेंटर से भेजा जाएगा। इस ऐतिहासिक मिशन में भारत के शुभांशु शुक्ला के अतिरिक्त अमरीका, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री चौदह दिन तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र में रहेंगे। चारों अंतरिक्ष यात्री मानव स्वास्थ्य, पृथ्वी के अध्ययन, जीव विज्ञान और अन्य अनुसंधान से संबंधित साठ से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे।

<><><><><><><><>

जहाजरानी सेवा निदेशालय ने इस महीने के लिए एम वी स्वराजद्वीप और एम वी कैम्पबेल बे का संभावित यात्रा कार्यक्रम जारी किया है। एम वी स्वराजद्वीप बारह जून को सुबह दस बजे कोलकाता से छूटकर विशाखापत्तनम होते हुए सत्रह जून को श्री विजयपुरम लौटेगा। अपने अगले यात्रा कार्यक्रम में जहाज बीस जून को श्री विजयपुरम से सुबह दस बजे चेन्नई के लिए रवाना होगा और चेन्नई से श्री विजयपुरम के लिए इसकी वापसी छब्बीस जून को होगी। एम वी कैम्पबेल बे श्री विजयपुरम से सुबह आठ बजे ननकौड़ी और कैम्पबेल बे होते हुए चेन्नई के लिए रवाना होगा और चेन्नई से अट्ठारह जून को शाम चार बजे इन्हीं मार्गों से होते हुए श्री विजयपुरम लौटेगा। इस यात्रा के लिए टिकट की अग्रिम बुकिंग आज दोपहर दो बजे से की जा सकती है। इसके अलावा स्टार टिकटिंग काउंटर से सुबह नौ बजे से शाम चार बजे के बीच टिकट खरीदे जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

मौसम विभाग के अनुसार आज अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में तेज हवा के साथ बौछारें पड़ने और बिजली गिरने की संभावना है। एक या दो स्थानों पर सात से ग्यारह सेन्टीमीटर भारी बारिश होने का भी अनुमान है। वहीं, अगले दिन ग्यारह जून को द्वीपसमूह में चालीस से पचास किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान लगाया गया है। बारह जून को भी लगभग यही स्थिति बताई गई है। तेज हवाओं की रफ्तार पचपन किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंच सकती है। ऐसे हालात में समुद्र

की स्थिति खराब रहने की आशंका है। आपदा प्रबंधन निदेशालय की ओर से जारी अलर्ट में मछुआरों को बारह जून तक अंडमान सागर और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के आस–पास के समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><><>

समाचार पत्रों की सुर्खियां

एन डी ए सरकार के ग्यारह वर्षों के कार्यकाल में भारत में उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है–**द डेली टेली ग्राम्स** और **द्वीप समाचार** ने इसे अपनी बड़ी खबर बनाते हुए सचित्र प्रकाशित किया है। राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल में आपदा प्रबंधन पर मॉक ड्रिल आयोजित करने के समाचार को **द इको ऑफ इंडिया** ने अंदर के पृष्ठ में सचित्र प्रकाशित किया है। वन स्टॉप सेन्टर की ओर से साइबर अपराध पर ऑनलाइन सत्र आयोजित के समाचार को **द अंडमान एक्सप्रेस अंग्रेजी** में जगह मिली है।

<><><><><><><><>